# मझधार फसी नैया बड़ी दूर किनारा है भजन लिरिक्स

मझधार फसी नैया,
बड़ी दूर किनारा है,
एक तू ही आसरा,
हारे का सहारा है,
सांवरे एक तू ही तो आस है,
सांवरे तुझपे ही विश्वास है।bd।

तर्ज – तुमसे जुदा होकर।

---

जिनको समझा अपना,
वो काम नहीं आये,
अब तेरे बिन बाबा,
मुझे कौन बचाये,
मेरी जीवन नैया का,
तू पालनहारा है,
एक तू ही आसरा,
हारे का सहारा है,
सांवरे एक तू ही तो आस है,
सांवरे तुझपे ही विश्वास है।bd।

---

विश्वास अटल मेरी,
नैया ना डोलेगी,
गर भाव भरा ह्रदय,
मूरत भी बोलेगी,
दीनों ने पुकारा है,
तू बना सहारा है,
एक तू ही आसरा,
हारे का सहारा है,
सांवरे एक तू ही तो आस है,
सांवरे तुझपे ही विश्वास है।bd।

---

दुनियाँ में नाम तेरा,
सुनकर मैं भी आया,
हारे का साथी है,
सबने ये बतलाया,
मनीष भी हार रहा,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

एक तू ही आसरा,
हारे का सहारा है,
सांवरे एक तू ही तो आस है,
सांवरे तुझपे ही विश्वास है।bd।

---

मझधार फसी नैया,
बड़ी दूर किनारा है,
एक तू ही आसरा,
हारे का सहारा है,
सांवरे एक तू ही तो आस है,
सांवरे तुझपे ही विश्वास है।bd।

गायक / प्रेषक – मनीष कुमार सूर्यवंशी।
8010748905

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com